Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to declare Pitra Paksha Mela in Gaya, Bihar as National Fair.

श्री विजय कुमार (गया): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में अति लोक महत्व का विषय उठाने की अनुमति दी है, उसके लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मेरे संसदीय क्षेत्र गया में पितृपक्ष के अवसर पर प्रत्येक साल विशाल मेले का आयोजन होता है। इस मेले में देश-विदेश से लोग आते हैं। इस वर्ष कोरोना के कारण पितृपक्ष मेले का आयोजन नहीं हो सका जो दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके बावजूद भी सैकड़ों लोगों ने पैदल और साइकिल से गया पहुंचकर अपने पितरों की मोक्ष प्राप्ति हेतु पिन्डदान किया। पितरों का मोक्ष या तर्पण गया जी (बिहार) में आदिकाल से चलता आ रहा है। श्री राम जी भी अपने पितरों का तर्पण कराने गया जी आए थे, जिसका उल्लेख पुराणों में और देवस्थलों में विद्यमान है।

आज ही बिहार के माननीय मुख्य मंत्री जी ने गया में दो वाटर प्रोजेक्ट का शिलान्यास वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया है, जिसमें पाइप के द्वारा गंगा नदी से फल्गु नदी में पानी लाने के लिए 2600 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट है। फल्गु नदी में बारह मास पानी रहे, इसके लिए रबर डैम प्रोजेक्ट 266.5 करोड़ रुपये का है।

इसके लिए मैं, सदन के माध्यम से, माननीय मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मैं सदन के माध्यम से भारत सरकार के पर्यटन मंत्री जी से मांग करना चाहता हूं कि इस पितृपक्ष तर्पण मेले को राष्ट्रीय मेला घोषित कर, राष्ट्रीय स्तर पर इसका विकास किया जाए, जिससे गया का भी विकास होगा। माननीय प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में अच्छा काम हो रहा है, इसके मैं लिए माननीय प्रधान मंत्री जी को भी धन्यवाद देता हूं।

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल को श्री विजय कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।